कालीन निर्यात संवर्धन परिषद्
CARPET EXPORT PROMOTION COUNCIL
(Set up by Ministry of Textiles, Govt. of India)
Working Office : 2nd Floor, Rajiv Gandhi Handicrafts Bhawan, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi – 110001
Phone : +91-11-233 647 16, 233 64717
E-mail : info@cepc.co.in, **Website :** www.cepc.co.in
Regd. Office : Shreejee Complex, Shop No. T-3, Sharma Market, Harola, Noida (U.P.)
Website of Ministry of Textiles : www.texmin.nic.in

प्रेस विज्ञप्ति

21 जनवरी, 2021

"हस्तनिर्मित कालीन और कालीनों के डिजाइन में रुझान अंतर्दृष्टि का महत्व" पर वेबिनार

कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, 27 से 31 जनवरी, 2021 तक आयोजित होने वाले 41वें इंडिया कार्पेट एक्सपो वर्चुअल एडिशन के लिए पूर्ण रूप तैयार हैं - यह वर्चुअल एडिशन भारतीय उत्पादों के बीच की खाई को पाटने और महामारी के बाद के युग में दुनिया भर में हस्तनिर्मित कालीनों और फर्श कवरिंग की मांग को पूरा करने के लिए एक पहल है। यह आयोजन 27 से 31 जनवरी, 2021 तक हस्तनिर्मित कालीनों और अन्य फर्श कवरिंग के लिए खरीदारों के लिए आयोजित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी निर्यातकों के लिए वैश्विक खरीदारों तक पहुंचने के लिए एक शानदार और अनूठा अवसर है ।

आज 21 जनवरी, 2021 को कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के सहयोग से हस्तनिर्मित कालीनों के डिजाइन में ट्रेंड इनसाइट्स के महत्व पर एक इंटरैक्टिव वेबिनार किया । रंग और डिजाइन का पूर्वानुमान वर्तमान बाजार परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और निर्माताओं और निर्यातकों को उपभोक्ताओं / बाजार और उनकी आवश्यकता का आकलन करने में मदद करता है।

सुश्री मुदिता मिश्रा, अतिरिक्त विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वेबिनार की मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुई । श्री सिद्ध नाथ सिंह, अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, श्री श्रीराम मौर्य, सदस्य प्रशासनिक समिति, श्री संजय कुमार, अधिशासी निदेशक, एवं 41वें इंडिया कार्पेट एक्स्पो के प्रतिभागी और लगभग 150 सदस्य निर्यातक वेबिनार में शामिल हुए।

श्री सिद्ध नाथ, अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने सुश्री मुदिता मिश्रा, अतिरिक्त विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का स्वागत किया ओर वेबिनार के लिए व्यस्त कार्यक्रम मे समय देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति प्रतिभागियों और सदस्यों के मनोबल को बढ़ाएगी। अध्यक्ष ने वेबिनार के प्रख्यात वक्ताओं डॉ संजय गुप्ता, कुलपति, विश्व डिजाइन विश्वविद्यालय, हरियाणा, डॉ

कौस्तव सेनगुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर निफ्ट, चेन्नई और डॉ. शालिनी सूद सहगल प्रोफेसर, निफ्ट, नई दिल्ली का वेबिनार मे स्वागत किया ।

श्री सिद्ध नाथ सिंह ने बताया कि पहले परिषद 12-16 जनवरी, 2021 से 41 वें इंडिया कारपेट एक्सपो का आयोजन करने जा रही थी, लेकिन यूएस और यूरोप में लॉकडाउन की स्थिति के कारण और सदस्यों के अनुरोध पर हमने तारीखें बदलकर 27-31 जनवरी, 2021 कर दिया । परिषद को प्रदर्शनी में 175 सदस्य-निर्यातकों की भागीदारी 214 से अधिक खरीदारों का पंजीकरण प्राप्त हुआ है और आशा व्यक्त हैं की यह आंकड़ा 300 विदेशी खरीदारों तक पहुंच सकता है।

श्री सिद्ध नाथ सिंह ने उल्लेख किया कि 40 वें भारत कालीन एक्सपो वर्चुअल प्रदर्शनी में, परिषद ने डिजाइन पुरस्कारों का गठन किया था, जिसे सभी सदस्यों द्वारा सराहा गया। सदस्यों और प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए इस बार भी परिषद निम्नलिखित 5 श्रेणियों में डिजाइन पुरस्कारों का गठन कर रही है:

- हैंड-नॉटेड कालीन
- हैंड टफटेड कालीन
- दरी
- हैंड लूम कालीन / दरी

7 सदस्यो की चयन समिति जिसमे प्रतिष्ठित डिजाइनर और प्रोफेसर और फैशन और डिजाइनिंग के क्षेत्र में प्रतिष्ठित हस्तियों विजेताओं का चयन करेंगे।

1. श्री एस के झा, वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प), कार्यल्य विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली
2. श्री सुनील सेठी, अध्यक्ष, फैशन और डिज़ाइन काउंसिल, नई दिल्ली ।
3. श्री संजय गुप्ता, कुलपति, विश्व डिजाइन विश्वविद्यालय
4. डॉ कौस्तव सेनगुप्ता - लीड इनसाइट, विजिओनेक्स्ट और एसोसिएट प्रोफेसर निफ्ट, चेन्नई
5. डॉ। शालिनी सूद सहगल - क्रिएटिव डायरेक्टर, VisioNxt और प्रोफेसर, निफ्ट, नई दिल्ली
6. सुश्री बिन्दु राजन, केंद्र प्रमुख, एनआईडी, नई दिल्ली।
7. सुश्री पारुल सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर, आई बी ई एफ, नई दिल्ली

श्री सिद्ध नाथ सिंह ने पुरस्कार विजेताओं के चयन में उनके योगदान और बहुमूल्य समय देने के लिए सभी जूरी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

श्री सिद्ध नाथ सिंह ने आगे सुश्री पारुल सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर, इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। श्री सिंह ने बताया कि IBEF 41वें इंडिया कारपेट एक्सपो की ब्रांडिंग और प्रचार कर रहा है और कालीन लेबल के डिजाइन के लिए भी काम कर रहा है। श्री सिंह ने सदस्यों को सन 1995 में कालीन

लेबल पहल की पृष्ठभूमि के बारे में बताया, जब कुछ निहित स्वार्थ वाले गैर सरकारी संगठनों ने कालीन उद्योग मे बाल श्रम के उपयोग को लेकर विदेशी बाजार में उद्योग की छवि को खराब करने का प्रयास किया और फिर परिषद ने बाल कल्याण कार्यक्रमों और कालीन लेबल की पहल की ।

सुश्री मुदिता मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले एक साल से हम कोविड -19 से गुजर रहे हैं जिसने हमारे उद्योग और अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुश्री मिश्रा ने महामारी के बाद के युग में भारतीय उत्पादों और हस्तनिर्मित कालीनों की मांग और दुनिया भर में फर्श कवरिंग की खाई को पाटने के लिए वर्चुअल प्रदर्शनी और वेबिनार की पहल के लिए कालीन निर्यात संवर्धन परिषद की सराहना की। सुश्री मिश्रा विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया । सुश्री मिश्रा ने उम्मीद जताई कि आज के वेबिनार से उद्योग को बहुत अंतर्दृष्टि मिलेगी।

श्री संजय गुप्ता, वाइस-चांसलर, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ़ डिज़ाइन ने अपने महत्वपूर्ण नोट में उल्लेख किया कि हमारे उद्योग को हमारे उत्पादों का वास्तविक मूल्य नहीं मिल रहा है उन्होने कॉमन डिज़ाइन सेंटर की स्थापना और भारतीय उत्पादों की विशिष्ट पहचान और ब्रांडिंग की आवश्यकता पर बल दिया है। आज, हम विभिन्न शैली, आकार और डिजाइन में खरीदार की आवश्यकता के अनुसार कालीन बनाने में सक्षम हैं, लेकिन भारतीय ब्रांड की पहचान गायब है, उन्होंने परिधान उद्योग का उदाहरण दिया जहां 2 दशकों से काम करने के बाद भारत अब अपनी पहचान स्थापित कर रहा है और उपभोक्ता भारतीय ब्रांड परिधान के लिए पूछ रहे हैं पर दुर्भाग्य से कालीन इस श्रेणी मे नहीं होता । वर्तमान परिदृश्य में डिजाइनर बहुत महत्वपूर्ण और योग्य हैं और हमारे व्यापार को कई गुना बढ़ा सकते हैं। आने वाले वर्षों में हमें बाजार में बनाए रखने के लिए विशेष रणनीति तैयार करने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कालीनों और फर्श कवरिंग की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक ऑनलाइन वर्चुअल प्लेटफॉर्म बनाने के लिए एक बड़ा हस्तक्षेप करके एक कदम आगे जाने की आवश्यकता है।

डॉ कौस्तव सेनगुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर निफ्ट, चेन्नई और डॉ शालिनी सूद सहगल प्रोफेसर, निफ्ट, नई दिल्ली ने हस्तनिर्मित कालीन और कालीनों के डिजाइन में ट्रेंड इनसाइट्स के महत्व पर एक पावर पॉइंट प्रस्तुति दी और सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अपने स्वयं के डिजाइन बनाने के लिए संवाद करें। उन्होने बताया की डिजाइन में भावनाएं, पर्यावरण, सांस्कृतिक विनियोग, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री की सराहना और उपयोग करना सीखते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानव बुद्धि का उपयोग करके अंत उपभोक्ता की मानसिकता के अनुसार एक उत्पाद बनाने की आवश्यकता है। प्रत्येक उत्पाद और बाजार के लिए रणनीति अलग-अलग होगी।

श्री संजय कुमार ने डॉ कौस्तव सेनगुप्ता और डॉ शालिनी सूद की सराहना करते हुए कहा हम लोगो को बताने की जरूरत हैं कि आप अपनी खुद की कहानी कैसे बना सकते हैं साथ ही स्टोरी लाइन और स्टोरी टेलिंग बहुत महत्वपूर्ण है।

सुश्री पारुल सिंह ने भारतीय उत्पादों के लिए यूएसपी के निर्माण के लिए सुझाव दिया और उन्होने डिजाइन को बहुत महत्वपूर्ण तथ्य बताया जिसमे उत्पादों को खरीदारों के सामने प्रस्तुत करने और अपनी खुद की कहानी और उत्पाद बनाने के लिए डिजाइनिंग क्षमता का उपयोग करने की आवश्यकता है।

श्री सिद्ध नाथ सिंह ने वेबिनार के वक्ताओं, जूरी सदस्यों और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे बताया कि माननीय मुख्यमंत्री, यूपी श्री योगी आदित्य नाथ ने 31 दिसंबर, 2020 को औपचारिक रूप से भदोही कालीन एक्सपो मार्ट का उद्घाटन किया और परिषद को सौंपा। परिषद मार्ट को पूरी तरह से कार्यशील बनाने की प्रक्रिया में है और 7 फरवरी, 2021 को उद्योग के लिए भदोही कालीन एक्सपो मार्ट के एक कर्टन रेज़र कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। श्री सिंह ने भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लाभ और वृद्धि के लिए सभी सदस्यों के संचयी प्रयासों के लिए अनुरोध किया। ।

अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने 27 से 31 जनवरी, 2021 तक आयोजित होने वाले 41वें इंडिया कारपेट एक्सपो में सफल भागीदारी के लिए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं ।